जोगन बन जाऊं रे स्वामन बन जाऊ रे लिरिक्स

जोगन बन जाऊं रे,
स्वामन बन जाऊ रे।

दोहा – जग में जोडी दोय,
के चकवो के सारसी,
तीजी मिलीयो न कोई,
जोई जोई हारी सांवरा।

जोगन बन जाऊं रे,
स्वामन बन जाऊ रे,
जोगण बन जाऊ रे,
स्वामन बन जाऊ रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

गोकुल द्वारिका गंगा मथुरा,
तीरथ नावु रे,
गोकुल द्वारिका गंगा मथुरा,
तीरथ नावु रे,
जाय हिमालय करूँ तपस्या,
तन ने सुखावु रे,
जाय हिमालय करूँ तपस्या,
तन ने सुखावु रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

ऋषि मुनीयो के आसन जाकर,
खोज लगावु रे,
ऋषि मुनियों के आसन जाकर,
खोज लगावु रे,
अंदर बाहर सब जगह ढूंढू,
नही जगावु रे,
अंदर बाहर सब जगह ढूंढू,
नही जगावु रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हार सिन्गार छोडने मै,
भस्मी रमावु रे,
हार सिन्गार छोडने मै,
भस्मी रमावु रे,
चेली सींगी पेर गले में,
अलख जगावु रे,
अरे चेली सींगी पेर गले में,
अलख जगावु रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

निशदिन हरि का ध्यान लगाकर,
दर्शन पावु रे,
निशदिन हरि का ध्यान लगाकर,
दर्शन पावु रे,
मीरा बाई केवे प्रभु गिरधर नागर,
मंगला गावु रे,
मीराबाई केवे प्रभु गिरधर नागर,
मंगला गावु रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

जोगन बन जाऊं रे,
स्वामन बन जाऊ रे,
जोगण बन जाऊ रे,
स्वामन बन जाऊ रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे,
म्हारा पिया मिलन रे काज,
आज जोगन बन जाऊ रे।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com